अर्द्धवार्षिक परीक्षा – 2021–22
कक्षा – बाहरवीं
विषय – लेखाशास्त्र (320)

समय – 3:00 घंटे　　पूर्णांक – 80

निर्देश –

1. सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।
2. प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न है, जिसमें सही मिलान 06 अंक,रिक्त स्थान 07 अंक, सही जोड़ी 06 अंक, एक वाक्य में उत्तर 07 अंक एवं सत्य/असत्य 06 अंक के प्रश्न है।
3. प्रश्न क्रमांक 06 से 15 तक अति लघु उत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न के लिए 3 अंक निर्धारित है। शब्द सीमा 30 शब्द है।
4. प्रश्न क्रमांक 16 से 19 तक अति लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए 3 अंक निर्धारित है। शब्द सीमा 75 शब्द है।
5. प्रश्न क्रमांक 20 से 23 तक विश्लेषणात्मक प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित है। शब्द सीमा 120 शब्द है।
6. संख्यात्मक प्रश्नों में शब्द सीमा का कोई बंधन नही हैं।
7. प्रश्न क्रमांक 6 से 23 तक सभी प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए है।

1. सही विकल्प चुनिए – **(1X6=6)**

(i) गैर व्यापारिक संस्था के लिए, सचिव का मानदेय का भुगतान है–
(अ) पूंजीगत व्यय　(ब) अल्पगत व्यय
(स) नकद व्यय　(द) आकस्मिक व्यय

(ii) साझेदारी संलेख के अभाव में साझेदार द्वारा दी गई अग्रिम राशि पर ब्याज दिया जाएगा –
(अ) 5 प्रतिशत वार्षिक　(ब) 6 प्रतिशत वार्षिक
(स) 9 प्रतिशत वार्षिक　(द) ब्याज नहीं दिया जाएगा

(iii) जब नया साझेदार अपने हिस्से की ख्याति की राशि नगद नहीं लाता है,तो उस राशि को डेबिट करेंगें –
(अ)प्रव्याजी ख्याति खाते में　(ब) पुराने साझेदार की पूंजीखातों में
(स) रोकड खातें में　(द) नए साझेदार के पूंजी खाता में

(iv) फर्म के समापन पर होने वाले व्यय को कहतें हैं –
(अ) वसूली व्यय　(ब) कानूनी व्यय
(स) हानिगत व्यय　(द) आकस्मिक व्यय

(v) अंशों का प्रीमियम पर निर्गमन से आशय है –
(अ) अंशो को अंकित मूल्य से कम मूल्य पर निर्गमन करना
(ब) अंशो को अंकित मूल्य से अधिक मूल्य पर निर्गमन करना
(स) अंशो को अंकित मूल्य पर निर्गमन करना
(द) उपर्युक्त सभी

(vi) कम्पनी के लिए ऋण पत्र पर कटौती है –
(अ) पूंजीगत हानि　(ब) आयगत हानि
(स) सामान्य हानि　(द) विशिष्ट हानि

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए – **(1X7=7)**

(i) गैर व्यापारिक संस्थाएं अपना हिसाब–किताब ..... पद्धति के आधार पर रखती हैं।

(ii) ..... पूंजी पद्धति में साझेदारों के चालू खाते बनाए जाते है।

©MP_BOARD_25 (Telegram)

(iii) साझेदार के प्रवेश पर पुनर्मूल्यांकन के लाभ – हानि से .....साझेदार का कोई सम्बन्ध नहीं होता है।

(iv) अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार को ख्याति .....अनुपात में दी जाती है।

(v) सीमा प्रीमियम को व्यापारिक व्यय मानने पर एक साझेदारी फर्म इसे .....खाता में लिखती है।

(vi) .....कम्पनी के अंशों के हस्तांतरण पर प्रतिबन्ध होता है।

(vii) बाहक ऋण पत्र कम्पनी के रजिस्टर में ..... नहीं किए जाते है।

3. **सही जोड़ी बनाइए –** **(1X6=6)**

A.		B.
(i) केवल नगद व्यवहार	–	क) त्याग अनुपात
(ii) आगमन व्यवहार	–	ख) स्वेच्छा से
(iii) साझेदारों के लाभ–हानि अनुपात में कमी	–	ग) प्राप्ति भुगतान खाता
(iv) अन्य साझेदारों से मतभेद	–	घ) कम्पनी का लेनदार
(v) अंशों का समर्पण	–	ङ) आय–व्यय खाता
(vi) ऋणपत्र धारी	–	च) अवकाश ग्रहण

4. **एक वाक्य में उत्तर दीजिए –** **(1X7=7)**

(i) साझेदारी फर्म में लाभ–हानि खाते का शेष किस खाते में अंतरित होता है ?

(ii) फर्म की सम्पत्तियों एवं दायित्वों के मूल्य में परिवर्तन का लेखा किस खाते में किया जाता है ?

(iii) साझेदारों के बीच सम्बन्धों में परिवर्तन क्या कहलाता है?

(iv) साझेदार के प्रवेश पर सामान्य संचय का विभाजन किस अनुपात में होता है?

(v) त्याग अनुपात किस अनुपात के बराबर होता है?

(vi) हरण किए हुए अंशों का कितनी कटौती राशि तक पुर्ननिर्गमन किया जा सकता है?

(vii) किस ऋणपत्र का भुगतान केवल कम्पनी के समापन पर किया जाता है?

5. **सत्य अथवा असत्य में उत्तर दीजिए –** **(1X6=6)**

(i) पुरानी सम्पत्ति की बिक्री से प्राप्त राशि का लेखा प्राप्ति भुगतान खाता में नहीं किया जाता है।

(ii) साझेदारी संलेख लिखित ही होता है।

(iii) एकाधिकार से ख्याति कम हो जाती है।

(iv) फर्म की विगत हानियों के लिए नया साझेदार जिम्मेदार नहीं होता है।

(v) फर्म के विघटन से सभी साझेदारों के आपसी सम्बन्ध समाप्त हो जाते है।

(vi) अंश जब्ती से अंशपूंजी में कमी आती है।

6. गैर लाभकारी संगठन की आय के चार स्त्रोतों के नाम लिखिए । 2

अथवा

गैर लाभकारी संगठन के व्यय के चार स्त्रोतों के नाम लिखिए।

@MP_BOARD_25 (Telegram)

1. वसीयत से क्या आशय है? 2

अथवा

स्थिर दान कोष से क्या आशय है?

8. साझेदारी अधिनियम–1932 के अनुसार साझेदारी की परिभाषा लिखिए। 2

अथवा

लाभ–हानि नियोजन खाता से क्या आशय है?

9. ख्याति से क्या आशय है? 2

अथवा

अधिलाभ किसे कहतें है?

.10. नये साझेदार को प्राप्त दो अधिकार लिखिए। 2

अथवा

साझेदारी पुर्नगठन से क्या आशय है?

11. साझेदार की निवृत्ति से क्या आशय है? 2

अथवा

P,Q,R एक फर्म में साझेदार हैं, जो लाभ – हानि 2:2:1 के अनुपात में बांटते हैं, Q के अवकाश ग्रहण करने पर P एवं R का नया अनुपात 3:1 हो जाता है। लाभ प्राप्ति अनुपात ज्ञात कीजिए।

12. साझेदारी फर्म के विघटन से क्या आशय है? 2

अथवा

वसूली खाता से क्या आशय है?

13. अ तथा ब 7:5 के अनुपात में साझेदार हैं । स को 1/6 भाग का साझेदार बनाया 2 गया जिसने 1/24 भाग अ से तथा 1/8 भाग ब से लिया। त्याग अनुपात ज्ञात कीजिए।

अथवा

त्याग अनुपात एवं लाभ प्राप्ति अनुपात में अंतर ज्ञात कीजिए।

14. अदत्त मांग से क्या आशय है? 2

अथवा

अति अभिदान से क्या आशय है?

15. ऋणपत्र की परिभाषा लिखिए। 2

अथवा

विशिष्ट कूपन दर से क्या आशय है?

@MP_BOARD_25 (Telegram)

16. आय व्यय खाता एवं प्राप्ति भुगतान खाता के मध्यम अंतर स्पष्ट कीजिए। 3

अथवा

निम्नलिखित सूचनाओं से 31 मार्च 2020 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए विशाल क्रिकेट क्लब दिल्ली का प्राप्ति भुगतान खाता बनाइए।

1 अप्रैल 2019 को क्लब शेष 9800 रू., चंदा 75200 रू., विशिष्ट दान 1600 रू., प्रवेश शुल्क 5600 रू., टिकिट बिक्री से प्राप्ति 10500रू., बैंक जमा पर ब्याज 2000रू., विद्युत शुल्क 7000रू., वेतन 45000रू., मजदूरी 5000रू., स्टेशनरी 2000रू., विविध व्यय 10000 रू.

17. रीना एव रमन क्रमशः 300000रू. तथा 100000रू. पूंजी लगाकर बराबर के साझेदार हैं। 1 अप्रैल 2019 से 31 मार्च 2020 की समाप्ति तक का लाभ 120000रू. था। पूंजी पर 6 % वार्षिक ब्याज दिया जाता है। रमन को प्रतिवर्ष 30000रू. वेतन दिया जाता है। दोनों साझेदारों के आहरण क्रमशः 30000रू. एवं 20000रू. थे। रीना के आहरण पर 1000रू ब्याज तथा रमन के आहरण पर 500रू ब्याज लगाया गया। लाभ–हानि नियोजन खाता तैयार कीजिए। 3

अथवा

साझेदारी की प्रमुख विशेषताओं को समझाइए।

18. एक व्यवसाय पिछले कुछ वर्षों में 1,00,000रू. का औसत लाभ अर्जित करता है और इसी प्रकार के व्यवसाय में प्रतिफल की सामान्य दर 10 % है। यदि व्यवसाय की सम्पत्तियों का मूल्य 8,20,000 रू. हो तो पूंजीगत औसत लाभ विधि द्वारा ख्याति का मूल्यांकन कीजिए। 3

अथवा

ख्याति उत्पत्ति के कारणों को स्पष्ट कीजिए।

19. A लिमिटेड ने 10रू वाले 15000, 10 प्रतिशत पूर्वाधिकार जनता को निर्गमित किए। सम्पूर्ण राशि एकमुश्त प्राप्त हो गई। कम्पनी की पुस्तकों में आवश्यक पंजी प्रविष्टि कीजिए। 3

अथवा

समता अंश एवं पूर्वाधिकार अंश में अंतर लिखिए।

20. 31 मार्च 2019 को समाप्त होने वाले वर्ष के सरस्वती पुस्तकालय का आय–व्यय खाता तैयार कीजिए–

प्राप्त चंदा– 1100रू., ब्याज से प्राप्त– 380 रू., भाषण से आय– 2320रू. भुगतान किराया–210रू.,विविध आय–100रू.,स्टेशनरी व्यय– 335रू.,समिति के पास नेशनल लाइब्रेरी के 1000रू., वाले दस 4 % ऋणपत्र हैं। 31 मार्च 2019 को किराया 80रू., एवं स्टेशनरी के 195रू. अदत्त हैं। 4

अथवा

अलाभकारी संस्थाओं का आय–व्यय खाता,व्यापारिक संस्थाओं के लाभ–हानि खाता के समान होता है। समझाइए।

@MP_BOARD_25 (Telegram)

21 31 मार्च 2020 को अजय, विजय और संजय का तुलनपत्र निम्नलिखित है।

तुलनपत्र
(31 मार्च 2020)

दायित्व	₹		
पूंजी		भवन	400000
अजय–720000		संयंत्र व मशीन	360000
विजय– 415000		फर्नीचर व फिटिंग	465000
संजय–345000	1480000	देनदार	77000
सामान्य संचय	180000	हस्तस्थ रोकड़	172000
लेनदार	124000	स्टॉक	121000
अन्य व्यय	16000		185000
	1800000		

वे लाभ–हानि 5:3:2 में बाटते है, 31 मार्च 2020 को विजय फर्म से अवकाश ग्रहण करता है तथा उनके बीच निम्न सहमति हुई –

1. स्टॉक का मूल्य 172000रू., फर्नीचर व फिटिंग 80000 मूल्यांकित हुई।
2. 10000 रू., की राशि एक देनदार दीपक द्वारा देय है, इसे संदिग्ध मानते हुए प्रावधान करना है।
3. ख्याति का मूल्यांकन 2,00,000 रू., हुआ लेकिन निर्णय हुआ कि ख्याति का लेखा पुस्तकों में नही दर्शाया जाएगा।
4. सेवानिवृत्ति के समय विजय को 40000रू तुरंत भुगतान कर शेष राशि उसके ऋणखाते में अंतरित की जाएगी।
5. फर्म का नया लाभ विभाजन अनुपात 3:2 होगा।

पुर्नमूल्यांकन खाता तैयार कीजिए।

अथवा

साझेदारी विघटन एवं फर्म के विघटन में 4 अंतर लिखिए।

22. पूर्वाधिकार अंशों के 4 प्रकारों का वर्णन कीजिए। 4

अथवा

A लिमिटेड कम्पनी ने 10रू प्रति अंश वाले 4000 समता अंश निर्गमित किए जिन पर प्रति अंश 1रू. आवेदन पर, 2रू. आवंटन पर, 3रू. प्रथम याचना पर और शेष अंतिम याचना पर देय है। सभी राशियां यथा समय प्राप्त हो गई। कम्पनी की पुस्तकों में आवश्यक पंजी प्रविष्टियां कीजिए।

23. अंशपत्र एवं ऋणपत्र में अंतर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

अंशों के हरण की प्रकिया को समझाइए।

.....0000.....

@MP_BOARD_25 (Telegram)